श्वासावरोध (ऐस्फ़िक्सिया)

प्रसव पीड़ा के दौरान श्वासावरोध के लक्षण

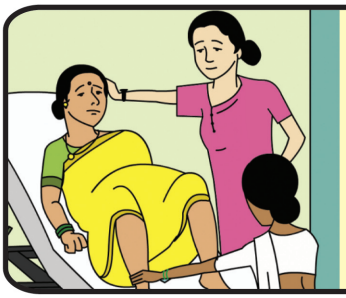

लंबी या कठिन प्रसव पीड़ा

झिल्ली टूट गई हो और द्रव की मात्रा कम रह गई हो (शुष्क प्रसव)।

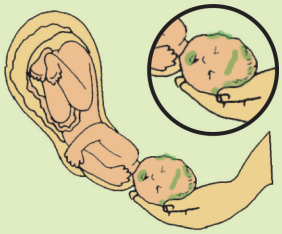

हरा या पीले रंग का गाढ़ा ऐम्नियोटिक द्रव।

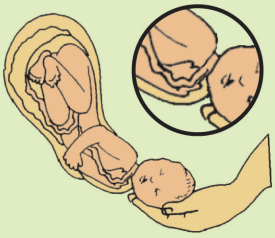

नाल पहले बाहर आई हो अथवा शिशु के गर्दन के चारों ओर कसकर लिपटी हुई हो।

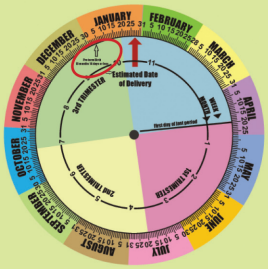

समय से पूर्व प्रसव (८ महीनों १४ दिन से पहले शिशु जन्म)।

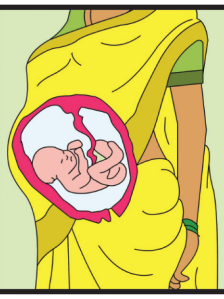

शिशु का जन्म ऐसी स्थिति में हुआ हो जिसमें सिर पहले बाहर नहीं आया हो।

श्वासावरोध (ऐस्फ़िक्सिया)

श्वासावरोध पर नियंत्रण

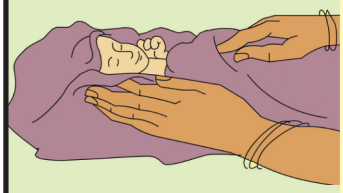

जन्म का समय दर्ज करें तथा समय की गणना करना शुरू करें । इस बीच शिशु को साफ करें तथा उसे एक मुलायम सूखे कपड़े में लपेटें।

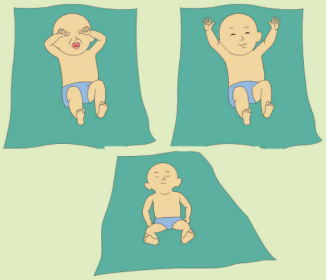

जन्म के ३० सेकंड बाद शिशु को देखें। यदि वह न रोए या मन्द आवाज में रोए या उसकी सांसें धीमी हों अथवा सांस न चल रही हों, तो इसका अर्थ यह है कि शिशु में श्वासावरोध हो रहा है।

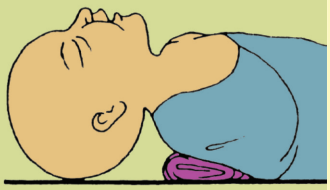

शिशु को इस प्रकार रखें कि उसका सिर तना रहे। इसके लिए उसके कंधे के नीचे तह किया एक कपड़ा रखें।

तुरंत म्युकस एक्सट्रैक्टर से उसके मुंह की सफाई करें।

यदि शिशु की सांस नहीं चल रही हो, तो गले में फंसे स्रव को खींचें; यदि इसके बाद भी सांस न चले तो म्युकस एक्सट्रैक्टर के जरिए उसकी नाक में फंसे स्रव को खींचें ।

जितनी जल्दी हो सके मदद के लिए कॉल करें।